

प्रदेश का पहला 200 MVA ट्रांसफार्मर दमोह में ऊर्जीकृत

चर्चा में क्यों?

25 जुलाई, 2022 को मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी ने 220 KV सब स्टेशन दमोह में 160 MVA क्षमता के स्थान पर विशेष डिजाइन से तैयार किया गया प्रदेश का पहला 200 MVA क्षमता का पावर ट्रांसफार्मर उर्जीकृत किया।

प्रमुख बिंदु

- ट्रांसमिशन कंपनी के मुख्य अभियंता प्रोफेसर जे.बी. लाल ने बताया कि मध्य प्रदेश में परंपरागत 120 MVA या 160 MVA के पावर ट्रांसफार्मर लगाए जाते थे। इनके स्थान पर 200 MVA क्षमता का यह पहला पावर ट्रांसफार्मर है।
- दमोह में इस ट्रांसफार्मर के स्थापित होने से जलियाँ के हट्टा, तेजगढ़, बटियागढ़ तथा पटेरा के 132 KV सब-स्टेशनों से जुड़े वित्तीय उपभोक्ताओं के अलावा सागर, छतरपुर, टीकमगढ़ जिले के सब-स्टेशनों को भी फायदा होगा। यहाँ किसी इमरजेंसी में 220 KV सब-स्टेशन दमोह से सप्लाई की जा सकेगी।
- गौरतलब है कि दमोह पूर्व में मध्य प्रदेश वित्तीय मंडल का प्रमुख लोड सेंटर हुआ करता था। दमोह से सागर, टीकमगढ़, छतरपुर, बजावर, बीना आदि क्षेत्रों सहित अनेक सीमेंट फैक्ट्रियों तथा रेलवे को वित्तीय आपूर्ति की जाती थी।
- दमोह जिले में 16 जून, 1967 को पहला अति उच्च दाब सब-स्टेशन 5 MVA क्षमता के साथ प्रारंभ हुआ था। वर्तमान में दमोह जिले में 220 KV एक तथा 132 KV के पाँच सब-स्टेशनों के साथ वित्तीय आपूर्ति की जाती है।
- दमोह में 220 KV साइड की 360 MVA तथा 132 KV साइड की 530 MVA की मजबूत ट्रांसफॉर्मेशन क्षमता है, जो जलियाँ के उपभोक्ताओं को उचित गुणवत्ता की निरबाध वित्तीय आपूर्ति करने में सक्षम है।